

व्यवसायिक प्रशिक्षण माली-सह-नर्सरी उत्पादक

कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा, दिल्ली के द्वारा दिनांक 22 से 31 जुलाई, 2024 तक "माली-सह-नर्सरी उत्पादक" विषय पर 10 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य दिल्ली व आसपास के राज्यों के किसान, युवाओं एवं नव युवतियों को बागवानी के क्षेत्र में अपना उद्यम एवं स्वरोजगार स्थापित करने हेतु उनकी क्षमता एवं कौशल का विकास करना।

इस कार्यक्रम की शुरुआत में केंद्र के अध्यक्ष डॉ. डी.के. राणा ने सभी का स्वागत करते हुए केंद्र की गतिविधियों के बारे में संबोधित करते हुए बताया कि केंद्र की यह अच्छी पहल है, जिसमें कृषि एवं बागवानी क्षेत्र से संबंधित किसान एवं कृषि श्रमिकों को उचित प्रशिक्षण प्रदान करके उनके मौजूदा कौशल को निखारना है, जिससे वह अपना व्यवसाय स्थापित करके अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि दिल्ली महानगर में कुशल माली श्रमिकों की काफी मांग है। इस प्रशिक्षण की शुरुआत 22 जुलाई से डॉ. राकेश कुमार, विशेषज्ञ (बागवानी) के संचालन में हुई, जिसमें प्रशिक्षकों को सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक रूप से सभी तकनीकी पहलुओं जैसे उन्नत तरीके से नर्सरी उत्पादन, नये पौधों का निर्माण, नर्सरी में अलंकृत पौधों, लॉन तैयार करना, लैण्डस्कैपिंग, गमलों का मिश्रण बनाना एवं प्रबंधन, फल वृक्ष बगीचा लगाने की विधि एवं ग्राफिटिंग, छत पर बागवानी आदि की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के क्रम में दिल्ली क्षेत्र में लैण्डस्कैपिंग विशेषज्ञ श्री मुकेश गोला ने प्रशिक्षकों के लिए लैण्डस्कैपिंग, लॉन, हेज, टोपयरी, परगोला, इनडोर एवं आउटडोर पौधों की देखरेख एवं प्रबंधन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए सौंदर्यीकरण हेतु पेड़ पौधों की विस्तृत जानकारी दी।



प्रशिक्षण के क्रम में प्रशिक्षकों को केन्द्र के विशेषज्ञों के द्वारा विभिन्न विषयों जैसे डॉ. समर पाल सिंह, विशेषज्ञ (सस्य) ने जैविक खेती के तरीकों एवं बागवानी में खरपतवार नियंत्रण करने के बारे में विस्तृत जानकारी दी। श्री बृजेश कुमार विशेषज्ञ (मृदा) ने सब्जियों एवं फल वृक्षों को लगाने के लिए मिट्टी एवं जल के जांच हेतु नमूने लेने की विधि के साथ पोषक तत्वों के प्रबंधन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी से अवगत करवाया एवं श्री कैलाश, विशेषज्ञ (प्रसार) नर्सरी के स्थापना हेतु अनुदान एवं योजनाओं के जानकारी देते हुए केन्द्र के संचार माध्यम एवं डिजिटल प्लैटफॉर्म के बारे में जागरूक किया।

इस 10 दिवसीय प्रशिक्षण में दिल्ली देहात के साथ विभिन्न राज्यों के 05 महिलाएं प्रशिक्षुओं के साथ 20 प्रशिक्षकों ने भागीदारी की।



(डा. डी. के. राणा)
अध्यक्ष